

**उल्लेखक** पुं. (तत्.) वि. जो उल्लेख करे, उल्लेखकर्ता, चित्रकार, अंकनकर्ता।

**उल्लेखन** पुं. (तत्.) अंकन करना या चित्रण करना, लेखन या वर्णन।

**उल्लेखनीय** वि. (तत्.) 1. लिखने योग्य 2. उल्लेख योग्य 3. बताने योग्य।

**उल्लोल** पुं. (तत्.) तीव्र लहर। चंचल या तेज तरंग।

**उल्बोदक** पुं. (तत्.) चिकि. स्त्री के गर्भाशय का एक विशेष प्रकार का जल, जिससे गर्भस्थ भ्रूण की रक्षा होती है।

**उशना** पुं. (तत्.) दैत्यगुरु शुक्राचार्य, शुक्रग्रह या नक्षत्र।

**उशीर** पुं. (तत्.) 1. खस, एक प्रकार की घास (गाँडर) की जड़ जिसकी सूखी जड़ों को बाँधकर बनाए गए परदे ठंडक और सुगंध देते हैं 2. खस का परदा प्रयो. आया अपने द्वार तप, तू दे ही किवाड सखि, क्या मैं बैटूँ विमुख हो उशीर की आड़।

**उषःकाल** पुं. (तत्.) दे. उषाकाल।

**उषःपान** पुं. (तत्.) 1. हठयोग में बहुत तड़के नाक से पानी पीने या नाक से पीकर मुँह से निकालने की क्रिया 2. प्रातः खाली पेट पानी पीना।

**उषण** पुं. (तत्.) 1. उष्णताजनक काली मिर्च 2. अदरक 3. सोंठ 4. पिप्पलीमूल आदि।

**उषर्बुध** पुं. (तत्.) 1. आग, 2. चीता, वृक्ष 3. बालक, उषाकाल में जागने वाला।

**उषा स्त्री.** (तत्.) 1. प्रभात, ब्रह्म वेला, पौ फटने का समय 2. अरुणोदय की लाली, प्रातःकालीन प्रकाश 3. बाणासुर की कन्या जो अनिरुद्ध से ब्याही गई थी।

**उषाकाल** पुं. (तत्.) भोर, तड़के, सूर्योदय से पाँच घड़ी (दो घंटे) पूर्व का समय, पौ फटने का समय।

**उषित** वि. (तत्.) 1. जिसने बास किया हो 2. बासी (पर्युषित भोजन)।

**उषीर** पुं. (तत्.) दे. उशीर।

**उष्ट्र** पुं. (तत्.) ऊँट।

**उष्ट्रयान** पुं. (तत्.) ऊँट के द्वारा ले जायी जाने वाली (खींची जाने वाली) गाड़ी।

**उष्ट्रासन** पुं. (तत्.) योग. ऊँट के आकार की भाँति किया जाने वाला आसन, जिसमें पेट के बल लेट कर पैरों को गुणक चिह्न की तरह बनाते हुए दोनों हाथों से पकड़ कर धनुरासन की भाँति ऊपर को तानते हैं।

**उष्ट्रिका/उष्ट्री स्त्री.** (तत्.) ऊँट का स्त्रीलिंग ऊँटनी।

**उष्ण** वि. (तत्.) 1. तप्त 2. तासीर में गरम ला.अर्थ. क्रोधी।

**उष्णक** पुं. (तत्.) 1. ग्रीष्म, तापज्वर 2. दिनकर। वि. ताप उत्पन्न करने वाला, सूर्य।

**उष्ण-कटिबंध** पुं. (तत्.) भू. पृथ्वी का वह भाग जो कर्क और मकर रेखाओं के बीच में पड़ता है। कर्क वृत्त और मकर (23½ ° उ.- 23½ ° द. अक्षांश) के बीच का भाग जिसमें गर्मी बहुत पड़ती है। tropical zone तु. शीतकटिबंध।

**उष्णकटिबंधीय** वि. (तत्.) उष्णकटिबंधीय प्रदेशों से संबंधित निवासी। (कर्करेखा और मकर रेखा के मध्य का पृथ्वी तल का ऊपरी भाग सबसे अधिक गर्म होता है उसे उष्णकटिबंधीय भाग कहते हैं)।

**उष्णकर** पुं. (तत्.) गर्म किरणों वाला सूर्य, रवि।

**उष्णकाल** पुं. (तत्.) ग्रीष्मऋतु का समय।